गैस आयोग को और सक्षमतापूर्वक कार्य करने तथा श्रोत उगाहने में नम्यता प्रदान करेगा।

(घ) और (ङ) सरकार ने इस संदर्भ में श्री टी. आर. सतीश चन्द्रन की अध्यक्षता में पहले ही एक समिति गठित कर दी है। समिति की सिफारिशें प्राप्त हो गई हैं।

कच्चे तेल और रसोई गैस का उत्पादन

757. श्री अजीत जोगी :
श्री मुरलीधर चन्द्रकांत मंडारे :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1990-91 और 1991-92 के दौरान कच्चे तेल और रसोई गैस के उत्पादन के क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए थे;

(ख) क्या इन लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया गया है;

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार ने वर्ष 2000 ईस्वी तक कच्चे तेल, पेट्रोल और रसोई गैस के उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए कोई योजना तैयार की है; और

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) से (ग) वर्ष 1990-91 और 1991-92 के दौरान कच्चे तेल और एल०पी०जी० के स्वदेशी उत्पादन के लक्ष्य और उपलब्धियां निम्नानुसार थीं :-

(मिलियन टन)

	कच्चा तेल		एल०पी०जी	
	लक्ष्य	वास्तविक	लक्ष्य	वास्तविक
1990-91	35.9	33.02	1.96	2.15
1991-92	31.8	30.35	2.1	2.49

एल० पी० जी० का वास्तविक उत्पादन लक्ष्य से अधिक रहा परन्तु कच्चे तेल के उत्पादन में कमी रही जो कि मुख्यतया निम्नलिखित कारणों से थी :-

(1) पूर्वी क्षेत्र में बारम्बार होने वाले बंधों/हड़तालों के कारण सामान्य उत्पादन में बाधा।

(2) कर्मचारियों/अधिकारियों द्वारा हड़ताल।

(3) ओ०एन०जी०सी० में भंडार की कमी

(4) बाढ़/बिजली फेल होना और अन्य प्रचालनात्मक कठिनाइयां और परियोजनाओं में फिसलन।

(घ) और (ङ) सरकार ने अनेक तेल क्षेत्र विकास परियोजनाएं शुरू की हैं तथा उत्पादन बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में गैर सरकारी निवेश आमंत्रित किया है। इसी प्रकार स्वदेशी पेट्रोल और एल० पी० जी० के उत्पादन में वृद्धि करने के लिए सरकार ने मौजूदा रिफाइनरियों के विस्तार और देश में नई रिफाइनरियां खोलने हेतु स्वीकृति प्रदान की है। इसके अतिरिक्त कुछ प्राकृतिक गैस आधारित एल पी जी संयंत्र शुरू किए गए हैं।